समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Friday, 25 September 2026

‘पहले चरण मे जंगलराज वालों को 65 वोल्ट का झटका’ – बिहार मे PM मोदी का बड़ा बयान, बोले- अब बिहार का बच्चा रंगदार नहीं, इंजीनियर-डॉक्टर बनेगा

Publisher

Published on 08 Nov 2025

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण के मतदान के बाद राजनीतिक माहौल और भी गर्म हो गया है। प्रधानमंत्री **नरेंद्र मोदी** ने रविवार को बिहार में आयोजित एक जनसभा में **एनडीए की जीत का दावा** करते हुए विपक्ष पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि पहले चरण के मतदान में “**जंगलराज वालों को 65 वोल्ट का झटका**” लगा है। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि बिहार की जनता ने इस बार जाति और परिवारवाद की राजनीति को नकारकर विकास और स्थिरता को चुना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, “पहले चरण के मतदान के बाद एक बात साफ है कि बिहार की जनता ने तय कर लिया है कि अब राज्य में जंगलराज नहीं लौटेगा। लोगों ने उन ताकतों को जवाब दे दिया है जो अपराध, भ्रष्टाचार और पिछड़ेपन के प्रतीक रहे हैं। बिहार के नौजवानों और बेटियों ने वोट डालकर यह संदेश दिया है कि अब उनका सपना डॉक्टर, इंजीनियर और अफसर बनने का है, रंगदार बनने का नहीं।”

पीएम मोदी ने अपने भाषण में एनडीए के कार्यों और विकास योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर बिहार को नई दिशा दे रही हैं। उन्होंने दावा किया कि **बिजली, सड़क, शिक्षा और रोजगार** जैसे क्षेत्रों में बिहार ने बीते वर्षों में अभूतपूर्व प्रगति की है। मोदी ने कहा, “बिहार अब अंधेरे से उजाले की ओर बढ़ चुका है। पहले जहां बिजली नहीं होती थी, आज हर गांव रोशनी से जगमगा रहा है। पहले रोजगार के लिए लोग पलायन करते थे, अब बिहार में निवेश बढ़ रहा है।”

प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग फिर से बिहार को 1990 के दशक की अराजकता में ले जाना चाहते हैं, जब अपहरण उद्योग, रंगदारी और अपराध चरम पर थे। उन्होंने कहा, “वो दौर याद कीजिए जब सड़कों पर भय था, व्यापार ठप था और आम आदमी असुरक्षित था। आज बिहार में वही लोग सत्ता में लौटने के सपने देख रहे हैं, लेकिन जनता ने उन्हें पहले चरण में ही 65 वोल्ट का झटका दे दिया है।”

पीएम मोदी ने अपने भाषण में महिलाओं और युवाओं का विशेष रूप से धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि बिहार की बहन-बेटियों ने इस बार रिकॉर्ड संख्या में मतदान कर यह साबित कर दिया है कि वे विकास और सुरक्षा चाहती हैं। मोदी ने कहा, “बिहार की माताएं और बहनें अब जानती हैं कि उनका बेटा अगर पढ़ेगा तो घर में खुशहाली आएगी। वे अब किसी ऐसे शासन को नहीं चाहतीं जो अपराधियों को संरक्षण दे।”

मोदी ने यह भी कहा कि एनडीए सरकार ने बिहार में महिला सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं लागू की हैं, जिनमें **उज्ज्वला योजना**, **जन धन योजना**, **हर घर जल मिशन** और **मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना** शामिल हैं। उन्होंने दावा किया कि इन योजनाओं ने न सिर्फ महिलाओं की स्थिति को मजबूत किया है, बल्कि परिवारों की आर्थिक स्थिति में भी सुधार किया है।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, पीएम मोदी का यह बयान चुनावी रणनीति का हिस्सा है। पहले चरण के मतदान के बाद एनडीए के अंदर उत्साह है, वहीं विपक्षी **महागठबंधन** को झटका लगा है। महागठबंधन के नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री विकास के नाम पर राजनीति कर रहे हैं, जबकि वास्तविक मुद्दों पर बात नहीं हो रही।

हालांकि एनडीए नेताओं का मानना है कि बिहार की जनता अब पूरी तरह बदल चुकी है और मोदी के नेतृत्व में राज्य विकास की राह पर है। एक बीजेपी प्रवक्ता ने कहा, “पहले चरण के वोटिंग ट्रेंड्स साफ दिखा रहे हैं कि जनता अब भावनाओं नहीं, बल्कि प्रदर्शन के आधार पर वोट कर रही है। विपक्ष की नकारात्मक राजनीति को बिहार ने नकार दिया है।”

पहले चरण में बिहार के कई जिलों में भारी मतदान हुआ था और युवाओं में उत्साह देखने को मिला। मतदान प्रतिशत भी उम्मीद से अधिक रहा, जिससे यह संकेत मिला कि जनता बदलाव की दिशा में निर्णायक फैसला लेना चाहती है।

अब सबकी निगाहें दूसरे चरण के चुनाव पर टिकी हैं। राजनीतिक दलों ने अपनी रणनीतियां तेज कर दी हैं, जबकि पीएम मोदी और अन्य बड़े नेता लगातार रैलियां कर रहे हैं। बिहार में इस बार का चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने वाला चुनाव माना जा रहा है।

फिलहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ‘65 वोल्ट के झटके’ वाले बयान ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। अब देखना यह है कि क्या एनडीए इस आत्मविश्वास को वोटों में बदल पाएगा या फिर विपक्ष अगले चरणों में वापसी करने में सफल रहेगा।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.